खोले के हनुमानजी मंदिर परिसर में 436 मीटर लंबा स्वचालित रोप-वे बनेगा

24 ट्रॉली वाला यह रोप-वे एक घंटे में 800 यात्रियों को सफर करवा सकेगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में खोले के हनुमानजी मंदिर परिसर में प्रदेश का पहला स्वचालित और जयपुर का सबसे बड़ा पेसेंजर रोप-वे का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। अन्नपूर्णा माता मंदिर से खोले के हनुमानजी मंदिर की पहाड़ी स्थित वैष्णोमाता मंदिर तक 436 मीटर लंबा रोप-वे बनाया जा रहा है। 24 ट्रॉली वाला यह रोप-वे एक घंटे में 800 यात्रियों को सफर करवा सकेगा। कलेक्टर ने इसका निर्माण कार्य दो साल में पूरा करने को कहा है।

शुक्रवार को जयपुर कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने खोले के हनुमान मंदिर परिसर में पहुंचकर रोप-वे निर्माण का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस रोप-वे का नाम अन्नपूर्णा माता रोप-वे होगा, जो कि प्रदेश का पांचवां और जयपुर जिले का सामोद हनुमानजी रोप-वे के बाद दूसरा रोप-वे होगा।

अन्नपूर्णा माता मंदिर से खोले के हनुमानजी मंदिर की पहाड़ी स्थित वैष्णोमाता मंदिर तक 436 मीटर लंबा रोप-वे बनाया जा रहा है। जो कि जयपुर का सबसे बड़ा रोप-वे होगा। इसके निर्माण के लिए फर्म और जयपुर जिला प्रशासन के बीच करार हुआ है, जिसके बाद फर्म को रोप-वे अधिनियम के तहत लाइसेंस जारी किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान रोप वे निर्माण की फर्म के पदाधिकारियों ने कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित को बताया कि पांच टावरों पर संचालित किए जाने वाले रोप वे की ऊंचाई 85 मीटर होगी। 24 ट्रॉली वाले इस रोप-वे की क्षमता 800 यात्री प्रति घंटा होगी। कलेक्टर ने निर्माता फर्म को 2 साल में रोप-वे निर्माण के निर्देश दिए है।

कलक्टर ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है, इसलिए रोप-वे निर्माण में गुणवत्ता का खास ध्यान दिया जाए। निर्माण के दौरान और संचालन के शुरू होने के बाद भी जिला प्रशासन की ओर से रोप-वे के सुरक्षा मापदंडों की नियमित रूप से जांच की जाएगी। रोप-वे के निर्माण में जयपुर की विरासत, शिल्पकला और वैभव की छटा देखने को मिलेगी।

कलक्टर ने कहा कि रोप-वे निर्माण करने वाली फर्म को 0 से 5 आयुवर्ग वाले बच्चों और 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों के साथ-साथ दिव्यांगों को रोप-वे के जरिये नि:शुल्क सफर करवाने के लिए निर्देशित किया है। रोप-वे की एक तरफ का सफर करीब साढ़े 4 मिनट में पूरा होगा। इस दौरान यात्रियों को जयपुर का विहंगम दृश्य दिखाने के लिए ट्रॉली को बीच सफर में दो बार रोका जाएगा। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर दक्षिण मोहम्मद अबूबक्र, सार्वजनिक निर्माण विभाग के चीफ रोप.वे निरीक्षक सुरेन्द्र व्यास,अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग अजय भूपेश सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने शुक्रवार को खोले के हनुमान मंदिर परिसर में पहुंचकर रोप-वे निर्माण का निरीक्षण किया।

- **कलक्टर ने 2 साल में इसे शुरू करने को कहा**
- **अन्नपूर्णा माता के नाम पर बन रहे इस रोप-वे में बच्चों, दिव्यांगों और बुजुर्गों को निःशुल्क सफर कराया जायेगा**
- **रोप-वे से एक तरफ का सफर करीब साढ़े 4 मिनट में पूरा होगा, यात्रियों को जयपुर का विहंगम दृश्य दिखाने के लिए ट्रॉली को बीच सफर में दो बार रोका जाएगा**

प्रदेश भाजपा में जिलाध्यक्षों का बदलाव अब उपचुनाव के बाद ही सम्भव होगा

जयपुर। प्रदेश भाजपा में पिछले कई महिनों से निष्क्रिय पड़े जिलाध्यक्षों और संगठन के पदाधिकारियों का बदलाव अब उपचुनाव के बाद ही सम्भव होगा। पिछले दिनों हुई भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में भाजपा के कोर ग्रुप के नेताओं ने आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों को देखते हुए जिलाध्यक्ष और संगठन के पदाधिकारियों के बदलाव पर चर्चा की थी।

वही इस पर भाजपा संगठन ने नए पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के लिए नए नाम भी तैयार किए है लेकिन सरदार शहर उपचुनाव, गुजरात चुनाव और जन आक्रोश यात्रा के शुरुआत होने के कारण इन नियुक्तियां में देरी हो रही है। इन नामों पर भाजपा संगठन के नेताओं ने इन नए नामों पर चर्चा होने के बाद ही बदलाव किया जाएगा। ऐसे में करीब आधा दर्जन जिलाध्यक्षों का बदलाव के लिए अब और इंतजार करना पड़ेगा। इस फेरबदल का आधार इन जिलों के पार्टी जिलाध्यक्षों की लचर परफोरमेंस को माना गया। अंदरखाने में चर्चा है कि पार्टी की राज्य इकाई से लेकर केंद्रीय संगठन की ओर से दिए जाने वाले अभियानों, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले जिलाध्यक्षों पर गाज गिरने जा रही है। राजस्थान में वैसे तो 33 जिले हैं लेकिन भाजपा संगठन के लिहाज से कई जिलों में दो-दो जिलाध्यक्ष होने से इनकी संख्या 40 से भी ज्यादा है। चर्चा है कि दौसा, सवाईमाधोपुर, भरतपुर, बाड़मेर, उदयपुर, अजमेर सहित कई जिलों के जिलाध्यक्ष बदले जाने की तैयारी चल रही है। संगठनात्मक ढांचे में मजबूती को आगामी विधानसभा चुनाव में इसलिए भी जरूरी माना जा रहा है क्योंकि कांग्रेस के अलावा भाजपा को कई नए तीसरे दलों की चुनौती का भी सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि आप पार्टी और कई तीसरे दल राजस्थान में अबकी चुनाव में भाग्य आजमाने को लेकर तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में आमजन में भाजपा की पैठ बनाने और अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाने के लिए जिलों के संगठन की बागडोर में बदलाव किए जाने की तैयारी की जा रही है। जिलाध्यक्षों का बदलाव नवंबर माह की शुरूआत में होना था लेकिन अब उपचुनाव, गुजरात चुनाव और जन आक्रोश यात्रा के कारण इस प्रक्रिया में देरी हुई है।

जिलाध्यक्ष के बदलाव की खबरों के बीच इस पद के लिए योग्य एवं ऊर्जावान चेहरे की तलाश तेज हो गई है। हाल ही में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के अलग-अलग जिलों के दौरों के दौरान बकायदा जिलाध्यक्ष बनने की दौड़ में शामिल माने जाने वाले संबंधित जिलों के कार्यकर्ताओं ने अपनी जबरदस्त सक्रियता दिखाई। विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में पार्टी प्रदेश संगठन भी नए जिलाध्यक्षों के चयन में सभी पक्षों का ख्याल रखते हुए अच्छी परफोरमेंस देने वाले व्यक्ति के चयन को प्राथमिकता देना चाहता है।

- **निष्क्रिय जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों में होगा बदलाव**

प्रदेश में आज 8 नए करोना संक्रमित मिले

जयपुर, (कासं.)। प्रदेश में शुक्रवार को 8 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच 11 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 67 रह गए हैं। राहत की बात यह है कि राज्य में पिछले आठ दिन से करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 3 जिलों में 8 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले 5 रोगी पाए गए थे। इधर आज सर्वाधिक 5 नए मरीज जोधपुर में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 2 और अजमेर में 1 नया संक्रमित मिला है। जयपुर में आज मानसरोवर और मुरलीपुरा में 1-1 नया मरीज पाया गया है। राज्य में 3995 जांचे की गई है।

राज्य में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों से अधिक मरीज ठीक हुए हैं। इस दौरान 11 संक्रमितों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 67 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज 7 मरीजों के ठीक होने से 23 एक्टिव केस रह गए हैं। उधर प्रदेश में करोना से होने वाली मौतों का सिलसिला पिछले 8 दिन से थमा हुआ है। राज्य में शुक्रवार को भी इस बीमारी से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की जान जा चुकी है।

प्रदेश की अदालतों में आज भी नहीं हुआ काम

जयपुर, (का.सं.)। न्यायिक अधिकारी के घर कर्मचारी सुभाष मेहरा के आत्मदाह से जुड़े मामले में शुक्रवार को प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहे। जिसकी वजह से प्रदेश की अदालतों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। न्यायिक कर्मचारी संघ और संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगों के संबंध में फैसला होने और एफआईआर दर्ज होने के बाद ही कार्य बहाली को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

न्यायिक कर्मचारी की मौत की जांच सीबीआई से कराने सहित अन्य मांगों को लेकर जयपुर जिले की सभी अदालतों के कर्मचारी बीते 15 दिन से सामूहिक अवकाश पर हैं। वहीं पिछले तीन दिनों से पूरे प्रदेश के कर्मचारियों ने अवकाश लेकर काम बंद कर रखा है। बीते गुरुवार को जोधपुर में मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल की राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी और संघर्ष समिति के अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी सहित अन्य कर्मचारी नेताओं से वार्ता हुई थी। वार्ता के बाद कर्मचारियों ने मांगे पूरी नहीं होने तक सामूहिक अवकाश जारी रखने का निर्णय लिया है। कर्मचारी मामले की सीबीआई जांच, न्यायिक अफसर को एपीओ करने, मृतक के परिजनों को पचास लाख रुपए मुआवजा सहित एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे हैं।

गौरतलब है कि एनडीपीएस मामलों की विशेष कोर्ट में पदस्थापित कर्मचारी सुभाष मेहरा ने 10 नवंबर को न्यायिक अधिकारी के घर की छत पर आत्मदाह कर लिया था। न्यायिक कर्मचारियों का कहना है कि सुभाष की हत्या हुई है। इसलिए मामले की सीबीआई जांच करवाई जानी चाहिए।

आईएएस अरोड़ा को अवमानना नोटिस जारी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद एसीबी की ओर से भेजे 17ए की अनुमति का पत्र तय अवधि में निस्तारण नहीं करने पर प्रमुख आईटी सचिव अखिल अरोडा का अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की अवमानना याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता टीएन शर्मा और अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लि. की ओर से 240 करोड़ रुपए की वाईफाई डिवाइस खरीदने के मामले में एसीबी में शिकायत की गई थी। मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर करने पर हाईकोर्ट ने गत 23 मई को प्रमुख आईटी सचिव को आदेश दिए थे कि वह एसीबी की ओर से भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच की अनुमति के लिए भेजे पत्र को साठ दिन में तय करे। अवमानना याचिका में कहा गया कि प्रमुख आईटी सचिव ने छह माह की अवधि में भी एसीबी के पत्र को तय नहीं किया है। ऐसे में दोषी अधिकारी को अदालती आदेश की अवमानना के लिए दंडित किया जाए।

पुलिस अफसरों ने की रॉक क्लाइम्बिंग

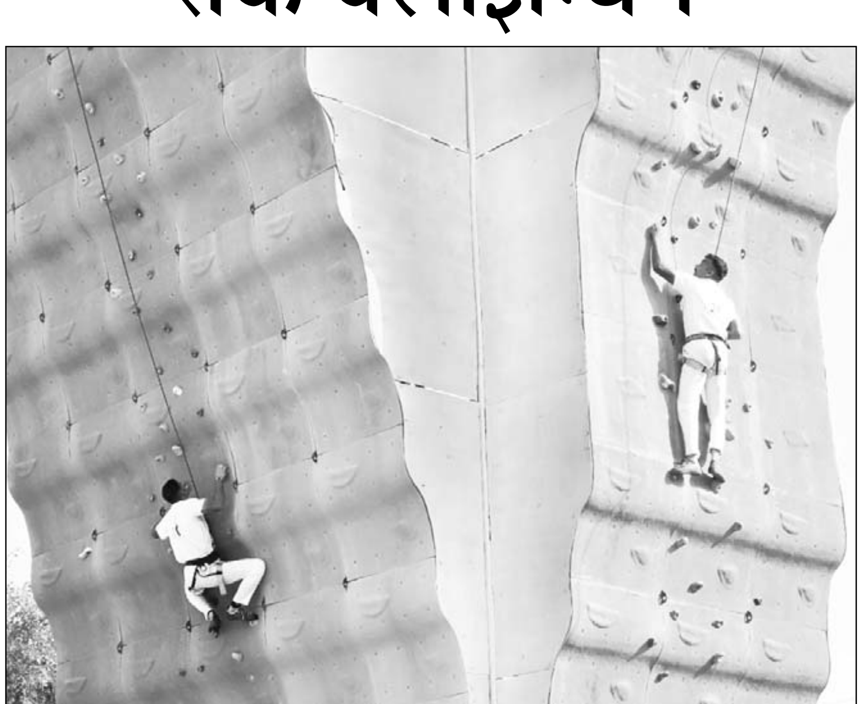

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में कांस्टेबल दीक्षांत परेड के बाद राजस्थान पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों व कांस्टेबलों द्वारा किए गए रॉक क्लाइम्बिंग का पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने अवलोकन किया। अतिरिक्त महानिदेशक एवं राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक राजीव शर्मा ने बताया कि राजस्थान पुलिस अकादमी देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी घोषित हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अकादमी में नियमित एवं अत्याधुनिक प्रशिक्षण के साथ ही पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को एडवेंचर गतिविधियों से भी रूबरू करवाया जा रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सर्वश्री डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा, सौरभ श्रीवास्तव, हेमंत प्रियदर्शी, अशोक राठौड़, स्मिता श्रीवास्तव, बिनीता ठाकुर, एस सेंगथिर एवं पुलिस आयुक्त जयपुर आनंद श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर डेयरी को आरटीआई के दायरे में मानने के आदेश पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सूचना आयोग के गत 17 अगस्त के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसके तहत आयोग ने जयपुर डेयरी को आरटीआई के दायरे में मानते हुए सूचना मुहैया कराने को कहा था।

इसके साथ ही अदालत ने मामले में सूचना आयोग, पशुपालन सचिव और आरसीडीएफ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश जयपुर जिला दुग्ध उत्पादन सहकारी संघ लि. की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सूचना आयोग ने गत 17 अगस्त को याचिकाकर्ता को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मानते हुए मांगी गई सूचना मुहैया कराने को कहा था।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता सहकारी संस्था है और वह किसी भी रूप में लोक सेवक की श्रेणी में नहीं आती है।

जयपुर डेयरी निजी संस्था है और राज्य सरकार से किसी तरह का अनुदान प्राप्त नहीं करती है। ऐसे में उस पर आरटीआई के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। इसलिए सूचना आयोग के आदेश को रद्द किया जाए।

- **याचिका में कहा गया कि जयपुर डेयरी निजी संस्था है और राज्य सरकार से किसी तरह का अनुदान प्राप्त नहीं करती है। ऐसे में उस पर आरटीआई के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। इसलिए सूचना आयोग के आदेश को रद्द किया जाए।**

प्रॉपर्टी कारोबारी के 5 हत्यारों को पुलिस ने सड़क पर पैदल घुमाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । करधनी इलाके में प्रॉपर्टी कारोबारी विजेंद्र सिंह के पांच हत्यारों को पुलिस ने क्राइम सीन से लेकर करीब एक किलोमीटर तक परेड कराई। मुख्य आरोपी सागर सिंह, नागर सिंह, जितेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह और अजय सिंह को घटना स्थल की तस्दीक कराने के लिए पुलिस इन पांचों बदमाशों को अपने साथ पैदल ही लेकर क्राइम सीन पर पहुंची। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में इन बदमाशों को परेड कराई गई।

इस परेड के पीछे पुलिस का मुख्य मकसद यह था कि बदमाशों की कमर टूट जाए। जिससे कि दुबारा कोई इस तरह की घटना करने से पहले 100 बार सोचे। प्रॉपर्टी कारोबारी विजेन्द्र सिंह हत्याकांड के बाद लोगों के पास कई ऐसे वीडियो थे, इसमें यह बदमाश वारदात करते हुए दिखाई दे रहे थे। इन बदमाशों ने क्राइम सीन से लगभग एक किलोमीटर तक पहले पूरी रैकी की हुई थी। जिस प्रकार से इन बदमाशों ने मौके पर वीरेंद्र सिंह पर हमला कर उसकी गाड़ी और उसके साथ जमकर मारपीट की थी। वह वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहा था। इस वीडियो से लोगों के मन में इन बदमाशों के प्रति दहशत व्याप्त हो गई थी। जब से इन बदमाशों को पुलिस ने एक किलोमीटर की परेड कराई है उसके बाद से कई लोग इन बदमाशों के खिलाफ शिकायत लेकर थाने आने लगे है।

20 हजार श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम व जलदाय डॉ.सुबोध अग्रवाल ने कहा है कि राज्य सरकार खनन श्रमिकों के स्वास्थ्य के प्रति गंभीर है। राज्यभर में खनि क्षेत्रों में प्राथमिकता से स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर श्रमिकों में अवेयरनेस, खनन सुरक्षा ससाधनों के उपयोग के प्रति प्रेरित करने, मास्क आदि आवश्यक किट का वितरण और सिलिकोसिस जैसी बीमारी के लक्षण दिखने पर वित्तीय सहायता व ईलाज की व्यवस्था करवाई जा रही है।

एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने गत 18 नवंबर को आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में फील्ड अधिकारियों को प्रदेश में खान सुरक्षा व स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए थे।

श्रीगोविंद देव चालीसा की प्रति भेंट

जयपुर (कासं)। महापौर मुनेश गुर्जर ने शुक्रवार को प्रात: जयपुर के आराध्य गोविन्ददेवजी को श्री गोविंद देव चालीसा के चौथे संस्करण की प्रथम प्रति भेंट की जिसमें "श्री राधा गोविंद प्रेमाष्टंक" जोड़ा गया है। महापौर ने जगत पिता "ठाकुरजी से सभी लोगों में प्रेम-भाईचारा शांति सद्भाव बढ़ाने की कामना की।

महिला-बच्चों व कमजोर वर्ग को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता : डीजीपी

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस अकादमी में आज कांस्टेबल रिक्रूट्स बैच संख्या-92 का दीक्षांत परेड समारोह आयोजित हुआ। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने परेड की सलामी ली। दीक्षांत परेड में 64 महिला कांस्टेबल समेत 174 कांस्टेबल शामिल हुए। मिश्रा ने परेड कमांडर और सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर कॉन्स्टेबल अनिता मीणा को ट्रॉफी प्रदान की। उन्होंने आउटडोर बेस्ट रणवीर सिंह, बेस्ट शूटिंग के लिए कांस्टेबल राजपाल सिंह और बेस्ट इंडोर के लिए अनिता को ट्रॉफी दी।

इससे पूर्व डीजीपी उमेश मिश्रा ने परेड का निरीक्षण किया और अभिवादन स्वीकार किया। राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक राजीव शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को शपथ ग्रहण कराई एवं कॉन्स्टेबलों ने शस्त्र शपथ भी ली। परेड द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अभिवादन किया गया। मिश्रा ने प्रशिक्षणार्थी कॉन्स्टेबल्स की आकर्षक दीक्षांत परेड की सराहना की एवं प्रशिक्षणार्थियों के साथ ही आरपीए के अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी।

डीजीपी ने कहा कि महिलाओं, बच्चों व कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता व उन्हें न्याय उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने नए कॉन्स्टेबल्स से इस प्राथमिकता के अनुरूप आचरण कर राजस्थान पुलिस की गौरवशाली परम्पराओं को आगे बढाने का आव्हान किया। उन्होंने कांस्टेबलों से कानून की परिधि में रहकर संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप कार्य करने को कहा। शर्मा ने बताया कि राजस्थान पुलिस अकादमी राजपत्रित वर्ग में वर्ष 2019- 20 में देश की सर्वश्रेष्ठ अकादमी के रूप में चुनी गई और अराजपत्रित वर्ग में भी यह अकादमी देशभर में श्रेष्ठ घोषित हुई है। प्रशिक्षणार्थियों में बीटेक, बीएड, बीपीएड, बीसीए सहित विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर एवं स्नातक योग्यताधारी शामिल हैं।

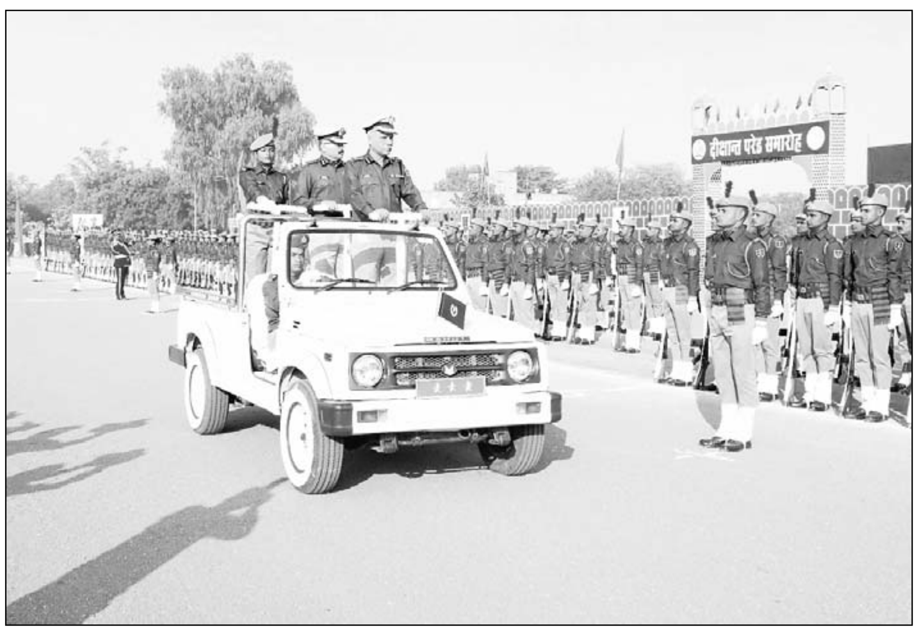

राजस्थान पुलिस अकादमी में गुरूवार को कांस्टेबल रिक्रूट्स बैच संख्या-92 के दीक्षांत परेड समारोह में पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने परेड की सलामी ली।

गंदगी मिलने पर सीएसआई और जमादार को नोटिस

जयपुर (कासं)। हैरिटेज निगम आयुक्त विश्राम मीना ने शुक्रवार को सिविल लाईन जोन में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जहां पर भी सफाई में खामी नजर आई, वहां स्वास्थ्य निरीक्षकों व जमादारों को लताड़ लगाई। निरीक्षण के बाद सफाई में कोताही बरतने पर वार्ड 48 की कार्यवाहक जमादार सोनम तथा वार्ड 42 से 45 के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सुभाष को नोटिस दिया। कमिश्नर ने सर्वप्रथम सिविल लाईन जोन के श्याम नगर में किर्ती कॉलोनी का दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया एवं उसके बाद अयोध्या पथ, जनपथ रोड़, हरि मार्ग, याशोदा मार्ग, शिवाजी नगर, राकडी चार नं. डिस्पेंसरी के पास जाकर सफाई व्यवस्था व कचरा डिपो पर आस-पास कचरा व अन्य सामग्री पाने पर सख्त नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कार्यवाहक जमादार सोनम और सीएसआई सुभाष को कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद दोनों कार्मिकों को नोटिस भी जारी किया। निरीक्षण के दौरान जहां-जहां पर सफाई व्यवस्था ठीक नजर आई, वहां कमिश्नर ने सफाई कर्मचारियों के काम की तारीफ भी की।

गैंगवार में युवक को गोली मारने वालों का सुराग नहीं

जयपुर । राजधानी के प्रताप नगर इलाके में गुरूवार शाम को गोदावरी अपार्टमेंट में गैंगवार के दौरान एक युवक की गोली मार कर हत्या कर भागे बदमाशों को अभी कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

थानाधिकारी भजन लाल ने बताया कि बदमाशों की लगातार तलाश की जा रही है। पुलिस की पांच से छह टीमें जयपुर सहित अन्य जिलों में बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। वहीं आरोपियों का पता लगाने के लिए रोडमैप बनाकर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वारदात के दौरान बदमाशों द्वारा लूटी गई कैब शिवदासपुरा इलाके में मिल गई है। पुलिस ने गाड़ी जब्त कर ली है। गौरतलब है कि

मृतक महेन्द्र मीणा (28) गुरुवार शाम अपने साले संदीप जीवली के साथ गोदावरी अपार्टमेंट के बाहर सी-ब्लॉक के पास पार्क के सामने रमेश तिवाड़ी की चाय की दुकान पर बैठा था। उसकी स्कॉर्पियो गाड़ी सड़क किनारे खड़ी थी। इस दौरान शाम करीब 5 बजे थार गाड़ी में सवार होकर मेडी गैंग के बदमाश पहुंचे। बदमाशों ने सबसे पहले महेन्द्र मीणा की स्कॉर्पियो को सामने से टक्कर मारी। महेंद्र और उसका साला जान बचा कर भागने लगे। संदीप पानी कैंपर की गाड़ी की आड़ में छिप गया। भागते हुए महेंद्र मीणा को बदमाशों ने पीठ में गोली मार दी। वह थोड़ी देर भागता रहा, लेकिन फिर वह नीचे गिर गया। इसके बाद महेन्द्र को जीवनरेखा अस्पताल ले जाया गया। वहां से सवाई मान सिंह अस्पताल रेफर किया गया। यहां उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद बदमाश भागने लगे, लेकिन उनकी थार गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई। इस पर पास में खड़ी कैब लूट भागे। पुलिस की शुरुआती जांच में वारदात का मुख्य कारण वर्चस्व की लड़ाई के चलते चल रही रंजिश होना सामने आया है। पुलिस के अनुसार, थार जीप सवार बदमाशों में विनीत मीणा (मेडी), महेश नांगल की पहचान हो पाई है। जबकि अन्य के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। विनीत मीणा भी शातिर अपराधी है। गैंग चलाता है। उसके खिलाफ जानलेवा हमले सहित अन्य प्रकरण दर्ज हैं।

शातिर नकबजन पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर (कासं)। मालपुरा गेट थाना इलाके में नकबजनी की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है उसके पास चोरी की कार भी बरामद की गई है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी सतीश चंद्र ने बताया कि नकबजनी की वारदात करने वाले सुरेश बंजारा निवासी पाटन जिला बूंदी हाल मालपुरा गेट जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।